तिरुपति का लड्डू

✓ हालिया संदर्भ :

- प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर में प्रसाद– स्वरूप लिए जाने वाले लड्डू के सामग्री पर राजनीतिक विवाद से तूफान उत्पन्न हो गया है।
- आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री और चंद्रबाबू नायडू ने जगनमोहन रेड्डी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार के दौरान लड्डू में घी के बदले बीफ टैलो, लॉर्ड एवं मछली के तेल आदि का इस्तेमाल किया जाता था।

✓ जांच का परिणाम :

- TDP (तेलुगु देशम पार्टी) के राष्ट्रीय महासचिव लोकेश नायडू ने बताया कि घी के नमूने की जांच में मछली के तेल एवं गौ मांस की चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि हुई है।
- घी के नमूने गुजरात स्थित पशुधन एवं खाद्य विश्लेषण एवं अध्ययन केंद्र को भेजे गए थे।
- स्वतंत्र ट्रस्ट TTD (तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम) ने जुलाई के पहले सप्ताह में घी एवं लड्डू के नमूने प्राप्त कर 9 जुलाई को लैब में भेजा था एवं लैब रिपोर्ट 16 जुलाई को प्राप्त हुई थी।

✓ लड्डू–प्रसादम :

- भगवान वेंकटेश्वर का प्रसिद्ध प्रसादम 300 वर्ष से भी पुराना है।
- 1715 ई. से ही भगवान को लड्डू अर्पित करने के बाद भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में बांटा जाता है।
- प्रसादम को 'पोटू' नामक विशेष रसोई में एक विशेष संप्रदाय द्वारा सदियों से बनाया जा रहा है।
- रसोई में जाने से पूर्व लोगों को सर मुंडवाना पड़ता है ताकि प्रसादम में बाल का अंश न समा जाए।
- प्रत्येक बैच का पहला लड्डू भगवान वेंकटेश्वर को अर्पित किया जाता है।
- भक्तों को मंदिर से निकलते समय एक लड्डू मुफ्त में दी जाती है लेकिन अतिरिक्त लड्डू पाने के लिए 50 रु./लड्डू के दर से मूल्य चुकाना होता है।
- 2014 में पेटेंट, ट्रेडमार्क एवं भौगोलिक संकेतक (GI) रजिस्ट्रार ने इस लड्डू को GI Tag दिया, जिसका तात्पर्य है यह है कि कोई भी 'तिरुपति लडडू' के नाम से लड्डू नहीं बेच सकता है।

✓ सामग्री :

- शुद्ध, सुगंधित एवं उच्च गुणवत्ता वाला घी उन 10 सामग्रियों में से सबसे महत्वपूर्ण है जिससे लड्डू तैयार किया जाता है।
- चने का आटा, काजू, किशमिश, इलायची, कपूर, चीनी एवं मिसरी (चीनी के क्रिस्टल) लड्डू के लिए अन्य प्रमुख सामग्री है।
- प्रत्येक दिन लगभग 500 kg लड्डू, 750 kg काजू, 500 kg किशमिश एवं 200 इलायची का उपयोग प्रसादम बनाने में किया जाता है।
- यह सामग्री TTD द्वारा खरीदा जाता है।

✓ गुणवत्ता नियंत्रण :

- सामग्री की खरीद ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के द्वारा की जाती है एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है।
- घी के गुणवत्ता नमी की मात्रा, सुगंध, मुक्त फैटी एसिड, गलनांक आदि मानदंडों पर परखा जाता है एवं TTD के टीम द्वारा घी निर्माण स्थलों की जांच भी की जाती है।
- वर्तमान में AMUL सबसे बड़ा घी आपूर्तिकर्ता है।
- रसोइयों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी होती है तथा परिसर में स्थित अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण लब में प्रत्येक बैच के लड्डू के गुणवत्ता की जांच की जाती है।
- इसके अलावा लड्डू के नमूने बीच-बीच में जांच के लिए राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद में भेजे जाते हैं।
- रसोई में पर्याप्त संख्या में CCTV कैमरे लगे हैं, जो प्रत्येक इंच क्षेत्र को कर करते हैं।
- पहले लकड़ी पर प्रसादम तैयार होता था लेकिन अब LPG का प्रयोग होता है।

Result Mitra TM

✓ तिरुपति मंदिर :

- यह भगवान विष्णु को समर्पित एक हिंदू मंदिर है, जो वेंकटेश्वर स्वरूप भगवान के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- यह मंदिर तिरुपति जिले के तिरुमला पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है।
- इस स्थान को "कलयुग बैकुंठ" (भगवान विष्णु का लोक) एवं भगवान वेंकटेश्वर को "कलियुग प्रत्यक्ष दैवय" कहा जाता है।
- संगम साहित्य में तिरुपति को "त्रिवेंगदम" कहा गया है।
- ऐतिहासिक स्रोतों में मत भिन्नता के बावजूद यह स्पष्ट है कि पांचवीं शताब्दी तक यह क्षेत्र एक प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में विकसित हो चुका था।
- स्रोतों के अनुसार चोल, विजयनगर एवं होयसल राजाओं ने मंदिर के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- मंदिर का प्रबंधन TTD द्वारा किया जाता है, जो आंध्र प्रदेश सरकार के अधीन एक संस्था है।

Result Mitra